वर्ष :-1

अंक:-287

28.11.2025

शुक्रवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

दाखिल-खारिज में घूस लेते हल्का कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार, मचा हड़कंप

करायपरसुराय (अपना नालंदा)। करायपरसुराय अंचल के सांध पंचायत में तैनात हल्का कर्मचारी संजय कुमार को गुरुवार को निगरानी विभाग की टीम ने 4500 रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होते ही पूरे अंचल परिसर में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि संजय कुमार जमीन के दाखिल-खारिज के निपटारे के बदले लगातार पैसे की मांग कर रहा था।सलेमपुर गांव निवासी पीड़ित रमेश प्रसाद ने निगरानी विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके जमीन के दाखिल-खारिज केस नंबर 663/2025 के निपटारे के एवज में कर्मचारी द्वारा 5000 रुपये की घूस मांगी जा रही है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद बार-बार दबाव डालने पर पीड़ित ने इसकी सूचना निगरानी इकाई को दी। शिकायत की प्रारंभिक सत्यापन के बाद टीम ने जाल बिछाया और गुरुवार को कार्रवाई को अंजाम दिया।निगरानी डीएसपी सत्येंद्र राम ने बताया कि पीड़ित को तय राशि लेकर आरोपी से मिलने भेजा गया। जैसे ही संजय कुमार ने 4500 रुपये स्वीकार किए, टीम ने डियावा चौक स्थित पुल के पास उसे रंगे हाथ दबोच लिया। उसके पास से घूस की रकम भी बरामद की गई है।डीएसपी ने स्पष्ट कहा कि सरकारी कार्य में भ्रष्टाचार किसी भी रूप में स्वीकार योग्य नहीं है। इस गिरफ्तारी से आम लोगों में विश्वास जगा है कि घूसखोरी पर कार्रवाई हो रही है और दोषी अधिकारी-कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। ग्रामीणों ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि दाखिल-खारिज से जुड़े कार्यों में क्षेत्र में घूसखोरी आम हो चली थी। इस गिरफ्तारी ने अन्य कर्मचारियों के लिए भी कड़ा संदेश दिया है। गिरफ्तार संजय कुमार को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए निगरानी टीम अपने साथ पटना लेकर चली गई। मामले की आगे की जांच निगरानी विभाग द्वारा की जा रही है।

नालंदा में पराली जलाने पर किसानों और कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर नालंदा जिले में फसल अवशेष (पराली) जलाने के मामलों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला कृषि पदाधिकारी के अनुसार चिन्हित किसानों और संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध विभागीय दंडात्मक कार्रवाई की गई है। इसमें 1 प्राथमिकी दर्ज करना, 25 किसानों का डीबीटी पंजीकरण अवरुद्ध करना, एक कृषि समन्वयक को निलंबित करना तथा तीन प्रखंड कृषि पदाधिकारियों का वेतन रोकना शामिल है। इसके अलावा पाँच कर्मियों का वेतन एवं मानदेय भी अवरुद्ध किया गया है। जिला पदाधिकारी ने पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कृषि विभाग को तुरंत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोषी पाए जाने वाले कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार या कर्मी के विरुद्ध निलंबन/बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पराली जलाते पकड़े गए किसानों का पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा, जिससे वे तीन वर्षों तक किसी भी कृषि योजना के लाभ से वंचित रहेंगे।पराली जलाने से मिट्टी के पोषक तत्व, कार्बनिक पदार्थ और लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं तथा वायु प्रदूषण बढ़ता है। इसलिए किसानों को पुआल को मिट्टी में मिलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे नाइट्रोजन, पोटाश, सल्फर और ऑर्गेनिक कार्बन की प्राप्ति होती है।कम्बाइन संचालकों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रशासनिक अनुमति के बाद ही हार्वेस्टिंग करें और फसल अवशेष न जलाने का शपथ-पत्र दें। पराली प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए पंचायत स्तर पर माइकिंग, बैनर, स्लोगन और अभियान चलाए जा रहे हैं। जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक धावा दल का गठन किया गया है, जो लगातार निगरानी कर पराली जलाने वालों पर सीआरपीसी की धारा 133 के तहत कार्रवाई कर रहा है।

रहुई में बुलडोजर कार्रवाई की जांच करने पहुंची भाकपा माले की टीम

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड के शिवनंदन नगर (सोनसा) में बिहार सरकार द्वारा चलाए गए बुलडोजर अभियान के विरोध में गुरुवार को भाकपा माले की राज्यस्तरीय जांच टीम पहुंची। टीम में भाकपा माले केंद्रीय कमेटी सदस्य एवं पूर्व विधायक गोपाल रविदास, पूर्व विधायक मनोज मंजिल, जिला समिति सदस्य पाल बिहारी लाल, सुनील कुमार, रहुई के माले सचिव शिवशंकर प्रसाद, ऐक्टू नेता विनोद रजक, और इंसाफ मंच के जिला संयोजक अधिवक्ता सरफराज अहमद खान शामिल थे। जांच के दौरान टीम ने प्रभावित परिवारों से बात की और सरकार की कार्रवाई को अमानवीय बताया। नेताओं ने कहा कि गरीबों को उनका अधिकार बिना संघर्ष के नहीं मिलता, इसलिए लड़ाई जारी रहेगी।

पूर्व विधायक मनोज मंजिल ने डबल इंजन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार भूमिहीनों को जमीन देने के बजाय उनके आशियाने तोड़ रही है। उन्होंने कहा कि कई परिवार जनवरी में होने वाली बेटी की शादी की तैयारी में थे, परंतु उनके घर तक ढहा दिए गए। महिलाओं और बच्चों की हालत दयनीय है, आंखों से आंसू नहीं सूख रहे। उन्होंने आरोप

लगाया कि लोग 1987 से बसे हुए हैं, फिर भी प्रशासन ने उनकी बात नहीं सुनी। यदि सरकार कोर्ट में गरीबों की ओर से पक्ष रखती तो घर बच सकते थे, लेकिन उल्टे जल्दबाजी में तोड़फोड़ कर दी गई।

पूर्व विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि एनडीए सरकार ने सत्ता में आते ही मजदूर विरोधी चार श्रम कोड लागू कर दिए और अब गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मजदूर-वर्ग और वंचित समुदाय की लड़ाई अब और तेज होगी।

नगर पंचायत में नक्शा पास और जल निकासी विवाद पर 29 नवंबर को होगा निरीक्षण

हरनौत (अपना नालंदा)। नगर पंचायत क्षेत्र में भवन निर्माण के नक्शा पास, रास्ता निर्धारण और जल निकासी को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) सौरभ सुमन ने बताया कि अब तक 10 से 12 लोगों ने भवन निर्माण हेतु नक्शा पास करने के लिए आवेदन दिया है। नियम के अनुसार नक्शा पास करते समय छह फीट चौड़ा रास्ता अनिवार्य है, जिसके लिए दोनों पक्षों को अपनी-अपनी ओर से तीन-तीन फीट जमीन छोड़नी पड़ती है। यह व्यवस्था भविष्य में रास्ते को लेकर किसी प्रकार के विवाद को रोकने और आम लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए की गई है।नगर पंचायत के मुख्य बाजार, अमानत सहित कई मोहल्लों में रास्ता और जल निकासी गंभीर समस्या बन चुकी है। कई क्षेत्रों में जलजमाव से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। इसी क्रम में हाई स्कूल मैदान के पास नाली निर्माण को लेकर हाल ही में विवाद उत्पन्न हुआ। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा बनाए जा रहे नाले का पानी निजी भूमि से निकाला जा रहा था,

जिसका जमीन मालिक ने विरोध किया। विवाद बढ़ने पर कार्य रोक दिया गया और जमीन मालिक ने अपनी भूमि पर ईंट की दीवार खड़ी कर दी।

ईओ सौरभ सुमन ने स्पष्ट किया कि सरकारी गैर-मजरुआ जमीन पर ही नाली या रास्ता बनाया जा सकता है। निजी भूमि का उपयोग बिना मालिक की सहमति के संभव नहीं है, इसलिए यह मामला जटिल हो गया है।इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नालंदा जिला पदाधिकारी 29 नवंबर को स्थल का निरीक्षण करेंगे। स्थानीय लोगों और अधिकारियों से चर्चा के बाद जल निकासी और मार्ग निर्धारण पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK
3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

मृदुला सिन्हा और हरिवंश राय बच्चन को साहित्य सम्मेलन में श्रद्धांजलि

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। भारत की स्त्री-चेतना की सशक्त प्रतिनिधि एवं गोवा की पूर्व राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा तथा महान कवि डॉ. हरिवंश राय बच्चन की जयंती पर गुरुवार को बिहार साहित्य सम्मेलन में विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. मृदुला सिन्हा का संपूर्ण जीवन समाज, संस्कृति और साहित्य की सेवा के प्रति समर्पित रहा। ऊँचे पदों पर रहते हुए भी उनमें कभी अहंकार नहीं आया। उनकी चर्चित कृति 'मैं सीता हूँ' भारतीय नारी-चेतना की प्रखर अभिव्यक्ति है। वे सचमुच साहित्य-साधना और मातृशक्ति की जीवंत प्रतीक थीं।

डॉ. सुलभ ने डॉ. हरिवंश राय बच्चन को याद करते हुए कहा कि उनके काव्य में प्रेम, दर्शन और जीवन की सकारात्मकता अनवरत प्रवाहित होती है। 'मधुशाला' केवल मद्यपान का प्रतीक नहीं, बल्कि ब्रह्मानंद की ओर एक दार्शनिक संकेत है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।कार्यक्रम का उद्घाटन पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि बच्चन जी की रचनाएँ कालजयी हैं और डॉ. मृदुला सिन्हा का व्यक्तित्व साहित्य और संस्कारों की प्रेरणा से ओतप्रोत था।

सम्मेलन की उपाध्यक्ष प्रो. मधु वर्मा, डॉ. पुष्पा जमुआर, डॉ. रमाकांत पांडेय, प्रो. सुनील उपाध्याय, इंजीनियर अशोक कुमार और शशि भूषण कुमार ने भी अपने विचार रखे।

इसके बाद आयोजित कवि-गोष्ठी में वरिष्ठ कवयित्री डॉ. पूनम आनंद, चंदा मिश्र, जयप्रकाश पुजारी, सिद्धेश्वर, मृत्युंजय गोविंद, सागरिका राय सहित कई कवियों-कवयित्रियों ने काव्यांजलि अर्पित की। मंच संचालन युवा कवि सूर्यप्रकाश उपाध्याय ने किया तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्णरंजन सिंह ने दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने निगरानी व मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की समीक्षा बैठक की

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 1 अण्णे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग एवं निगरानी विभाग के कार्यों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में विभागीय योजनाओं, प्रगति और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोनों विभागों को सरकार की नीतियों और उद्देश्यों के अनुरूप कार्यों को गतिशीलता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया।समीक्षा के दौरान मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग एवं निगरानी विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की अद्यतन कार्यप्रगति, उपलब्धियों और चल रही योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों को सुशासन, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के सिद्धांतों के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि जनता को सरकारी योजनाओं का शीघ्र और प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।मुख्यमंत्री ने निगरानी विभाग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभाग द्वारा निभाई जा रही जिम्मेदारियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ "जीरो टॉलरेंस" की नीति पर काम कर रही है और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाएं और हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, मंत्रालय के विशेष सचिव निलेश रामचंद्र देवरे और विशेष सचिव अरविंद कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीएससी वीएलई आवासीय प्रशिक्षण के छठे बैच की शुरुआत, पारदर्शिता पर जोर

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा आयोजित सीएससी वीएलई के दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे बैच का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने किया। उन्होंने वीएलई की भूमिका, जिम्मेदारियों और विभागीय अपेक्षाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में सही जानकारी के अभाव में नागरिकों को अनेक कठिनाइयाँ झेलनी पड़ती हैं। अंचल कार्यालयों में वीएलई की तैनाती से लोगों को तत्काल परामर्श, मार्गदर्शन और भरोसेमंद ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध होंगी।

उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने संदेश देते हुए कहा किसरकार की शीर्ष प्राथमिकता अंचल कार्यालयों से बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करना है। वीएलई की मौजूदगी से जमीन से जुड़े कार्य समय पर पूरे होंगे और नागरिकों को पारदर्शी एवं सुचारु सेवा मिलेगी।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि साइबर कैफे में गलत मोबाइल नंबर या अधूरी जानकारी दिए जाने से आवेदन प्रक्रिया प्रभावित होती है। अब वीएलई इस समस्या का स्थायी समाधान होंगे और विभाग के हेल्पडेस्क की तरह काम करेंगे। गलत आचरण या शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।सत्र के दौरान सचिव जय सिंह ने नक्शा, खतियान, जमाबंदी पंजी, म्यूटेशन, परिमार्जन प्लस और चल रहे सर्वे कार्यों सहित सभी राजस्व अभिलेखों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और समयबद्धता अंचल कार्यालय का सर्वोपरि दायित्व है। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्य पदाधिकारी नवाजिश अख्तर ने किया। मौके पर प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य दिव्य राज गणेश, आईटी प्रबंधक आनंद शंकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धूम्रपान छोड़ें, लक्षण पहचानें: लंग्स कैंसर जागरूकता पर विशेष सेमिनार आयोजित

सुजीत कुमार
पटना (अपना नालंदा)। लंग्स कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर सोमवार को नारायणा कैंसर हॉस्पिटल में एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फेफड़ों के कैंसर के बढ़ते मामलों, जोखिम कारकों, लक्षणों और आधुनिक उपचार तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने लोगों से धूम्रपान से दूरी बनाने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और पर्यावरणीय प्रदूषण से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की।

नारायणा कैंसर सेंटर एवं पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अभिषेक आनंद ने कहा कि भारत में लंग्स कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चिंताजनक तथ्य यह है कि लगभग 70% मरीज अंतिम चरण में अस्पताल पहुंचते हैं, जिससे इलाज और चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि लगातार खांसी, अचानक वजन घटना, सांस फूलना तथा खून के साथ खांसी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। शुरुआती चरण में पहचान होने पर लंग्स कैंसर का उपचार सफलता दर 60–70% तक पहुंच सकती है।

डॉ. आनंद ने बताया कि इम्यूनोथैरेपी और टार्गेटेड थेरेपी जैसी नई तकनीकों ने कैंसर उपचार को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां धूम्रपान लंग्स कैंसर का प्रमुख कारण है, वहीं बढ़ते प्रदूषण और आनुवंशिक कारणों से नॉन-स्मोकिंग मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। हाई-रिस्क व्यक्तियों के लिए लो-डोज सीटी स्कैन जैसे परीक्षण जीवनरक्षक सिद्ध हो सकते हैं।

सेमिनार में कई वरिष्ठ चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, मेडिकल छात्रों और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में यह संदेश प्रसारित करना था कि लंग्स कैंसर का समय पर निदान होने पर इसका इलाज काफी हद तक सफल और नियंत्रण योग्य है। अंत में सभी प्रतिभागियों ने फेफड़ों की सेहत के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

सरकारी स्कूलों में शनिवार-गुरुवार हाफ डे बहाली की मांग तेज हुई

पटना (अपना नालंदा)। राज्य के सरकारी विद्यालयों (हिंदी/उर्दू माध्यम) में शनिवार और गुरुवार को हाफ डे व्यवस्था पुनः बहाल करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार ने इस मुद्दे पर निर्णायक पहल करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को विस्तृत ज्ञापन भेजा है और अविलंब पुरानी व्यवस्था लागू करने का आग्रह किया है।ज्ञापन प्रेषित करते हुए महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने कहा कि विद्यालयी वातावरण, मौसमीय परिस्थितियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति और शिक्षकों के दैनिक कार्यभार को देखते हुए हाफ डे व्यवस्था पहले अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से शिक्षक वर्ग यह मांग कर रहा है कि बच्चों की सुविधा, स्वास्थ्य संरक्षण और सीखने-समझने की सहज प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए सप्ताह के एक दिन हाफ डे प्रणाली होनी चाहिए। मृत्युंजय ठाकुर ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों पर शैक्षणिक कार्यों के साथ-साथ गैर-शैक्षणिक दायित्वों का दबाव काफी बढ़ गया है। ऐसे में हाफ डे व्यवस्था उन्हें सप्ताह में एक दिन राहत प्रदान करेगी, जिससे शिक्षण गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। गर्मी के मौसम में छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था और भी लाभकारी सिद्ध होगी।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य के कई जिलों में शिक्षक संगठन लगातार इस मांग को उठा रहे हैं और इसे विद्यार्थियों तथा शिक्षकों दोनों के हित में आवश्यक बताया है। महासंघ ने शिक्षा विभाग से आग्रह किया है कि वे इस मांग पर संवेदनशीलता के साथ विचार करें और शीघ्र निर्णय लें, जिससे सरकारी विद्यालयों की शिक्षण प्रक्रिया, अनुशासन और समग्र शैक्षणिक वातावरण को मजबूती मिल सके। परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ का मानना है कि यदि विभाग सकारात्मक कदम उठाता है, तो राज्य के प्रारंभिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक हाफ डे व्यवस्था लागू होने से शिक्षा की गुणवत्ता को नया आयाम मिलेगा।

तेजस हादसा : रक्षा आत्मनिर्भरता अभियान और निर्यात पर कितना होगा असर

ज्ञान चंद पाटनी

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के दुबई एयर शो में दुर्घटनाग्रस्त होने से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहे भारत का आत्मविश्वास कम नहीं होने वाला। यह हादसा 21 नवंबर 2025 को तब हुआ जब तेजस लड़ाकू विमान एक डेमो प्रदर्शन के दौरान अचानक नियंत्रण खो बैठा और जमीन पर टकरा गया, जिससे विंग कमांडर नमांश स्याल का निधन हो गया।

तेजस विमान को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने विकसित किया है जो देश की स्वदेशी सैन्य उत्पादन क्षमता का प्रतीक माना जाता है। एक दशक के परीक्षण के बाद यह विमान भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ और इसे हल्का लड़ाकू विमान कहा जाता है। कार्बन फाइबर के ढांचे के कारण कम वजन और उच्च मजबूती इसकी विशेषता है। साथ ही इसका सेंसर तरंग रडार दुश्मन के विमानों और मिसाइल से सुरक्षा में मदद करता है।

इस दुर्घटना से पहले मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में भी एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था जिसकी वजह इंजन की खराबी माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने दुबई दुर्घटना की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन कर दिया है। जांच के बाद ही हादसे के सही कारण का पता चलेगा लेकिन यह तो मानकर चलना चाहिए कि तेजस की यह दुर्घटना रक्षा निर्यात के लिए झटका जरूर है, लेकिन इससे भारत का संकल्प कमजोर नहीं पड़ने वाला। यह विमान अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत बना रहा था, खासकर मिस्र, आर्मेनिया और दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में। दुबई एयर शो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन में हुई ऐसी दुर्घटना का सीधा असर रक्षा मामले में भारत की आत्मनिर्भरता के साथ रक्षा निर्यात पर पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद भारत का इतिहास इस बात का साक्षी है कि वह अपने लक्ष्य में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने में सक्षम है।

भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए हैं जिनका परिणाम सामने भी आया है। भारत का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपएदर्ज किया गया है। आत्मनिर्भर भारत की नीति के तहत यह रक्षा उत्पादन वृद्धि देश की रक्षा क्षमता और आर्थिक विकास दोनों के लिए उत्साहवर्धक है। भारत न केवल स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ा रहा है बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार में अपनी स्थिति भी मजबूत कर रहा है। भारत आज अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया सहित 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात करता है।

तेजस की किफायती कीमत, तकनीक साझा करने की नीति और उन्नत हथियारों से लैस क्षमता इसे भारतीय वायु वाहन बेड़े के लिए मजबूत विकल्प बनाती है। भारत ने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है जिसमें तेजस विमान का निर्यात भी प्रमुख है। दुर्घटना का प्रभाव आर्थिक और कूटनीतिक रूप में गहरा हो सकता है। फिर वैश्विक रक्षा उद्योग में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इसलिए गुणवत्ता, विश्वसनीयता और निरंतर सुधार आवश्यक हैं। इस हादसे को भारत में रक्षा उत्पादन की मजबूती के लिए एक चेतावनी और सीख के रूप में लिया जाना चाहिए। स्वदेशी विमानों के निर्माण, रखरखाव — प्रशिक्षण में निरंतर निगरानी और सुधार आवश्यक है। एचएएल, डीआरडीओ, वायुसेना और रक्षा मंत्रालय को इस घटना से सबक लेकर तेजस के भविष्य को सुरक्षित करना होगा।

भारत को गुणवत्ता नियंत्रण और निरंतर नवाचार के जरिए विश्व स्तर पर अपनी रक्षा ताकत को स्थापित करना होगा। तेजस कार्यक्रम की शुरुआत 1980 के दशक में इस संकल्प के साथ हुई थी कि भारत अपनी जरूरतों के अनुरूप, पूरी तरह स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान विकसित करेगा। प्रोटोटाइप ने 2001 में पहली उड़ान भरी और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे "तेजस" नाम दिया। प्रतीकात्मक उपलब्धियों के बावजूद, इसे भारतीय वायुसेना की नियमित स्क्वाड्रनों में आने में और 14 वर्ष लग गए। इतने लंबे अंतराल ने साफ कर दिया कि महत्वाकांक्षा और तकनीकी क्षमता के बीच बहुत बड़ा फासला था।

भारतीय वायु सेना में तेजस लड़ाकू विमान 2016 में शामिल हुआ था। 2025 के अक्टूबर में भारतीय वायु सेना को पहला तेजस एमके 1ए मॉडल सौंपा गया जो एमके 1 का उन्नत संस्करण है। आज की तारीख में तेजस के मात्र दो ऑपरेशनल स्क्वाड्रन भारतीय वायुसेना में हैं जिनमें कुल 38 विमान शामिल हैं। इसके बावजूद, पूरे बेड़े के आधुनिकीकरण की योजना इसी पर टिकी हुई है। पुराने हो चुके मिग-21 बेड़े के रिटायर होने के बाद तेजस से उम्मीद की गई कि वह इन स्क्वाड्रनों की जगह लेगा और वायुसेना की ऑपरेशनल ताकत को संभाले रखेगा। सरकार ने तेजस एमके 1 के 180 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे दिया है और भविष्य में तेजस एमके2 को भी शामिल करने का रोडमैप बनाया गया है। समस्या यह है कि योजनाएं तेजी से कागज पर आगे बढ़ती गईं, जबकि उत्पादन और डिलीवरीकी गति बहुत पीछे रह जाती है। यही वजह है कि 42 स्क्वाड्रन की स्वीकृत ताकत के मुकाबले वायुसेना आज 30 से भी कम स्क्वाड्रन पर सिमट गई है और आने वाले वर्षों में मिग29, जगुआर और मिराज2000 जैसे पुराने विमानों के रिटायर होने से यह कमी और बढ़ेगी। ऐसे समय में तेजस का हर विमान सिर्फ एक तकनीकी प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत भी है। उड़ान क्षमता, हथियार लोड और ऑपरेशनल रेंज के मामले में तेजस विदेशी विमानों जैसे एफ-16 और ग्रिपेन से कुछ मामलों में पिछड़ता दिखता है। इसके बावजूद तेजस भारतीय वायु सेना की भविष्य की ताकत बनने की राह पर है, क्योंकि इसकी क्षमता में लगातार सुधार हो रहा है।

तेजस लड़ाकू विमान का एक कमजोर पक्ष यह है कि इसके लिए इस्तेमाल होने वाले इंजन मुख्य रूप से अमेरिका से आयातित हैं। तेजस विमान के लिए स्वदेशी इंजन विकास के प्रयास किए गए थे, वे विफल हो गए। इसके कारण भारत को आयातित इंजनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह निर्भरता कई बार उत्पादन में देरी का कारण बनती है। जाहिर है इससे तेजस कार्यक्रम की स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की छवि भी प्रभावित होती है। इंजनों की खरीद में बड़ी राशि खर्च होती है और सीमित साझेदारी तकनीकी हस्तांतरण भी एक बड़ी चुनौती है। तेजस कार्यक्रम में स्वदेशी इंजन की कमी भारत की रक्षा स्वावलंबन की राह में एक बड़ी बाधा हैं। यह न केवल उत्पादन की गति को प्रभावित करता है बल्कि युद्धकालीन आवश्यकताओं में भी अनिश्चितताओं को बढ़ाता है। इसी वजह से भारत इस पर तीव्र ध्यान दे रहा है कि भारत में अधिक सक्षम, विश्वसनीय और स्वदेशी इंजन विकसित किए जाएं, ताकि भविष्य में आयात पर निर्भरता कम हो सके।यह सही है कि इंजन के आयात के कारण तेजस कार्यक्रम की स्वदेशी छवि कुछ हद तक प्रभावित होती है लेकिन यह विमान अपनी तकनीकी क्षमताओं के आधार पर भारतीय वायुसेना में और निर्यात बाजारों में अपनी जगह बनाने में सक्षम है। अब तक कम दुर्घटना दर को तेजस के पक्ष में बड़ी दलील के तौर पर पेश किया जाता रहा है। यह तर्क अब भी कुछ हद तक सही है क्योंकि किसी भी जेट फाइटर के जीवनकाल में कुछ दुर्घटनाएं "ऑपरेशनल रिस्क" मानी जाती हैं। फिर भी, जब कोई विमान अंतरराष्ट्रीय मंच पर, लाइव डेमो के दौरान क्रैश होता है तो सवाल सिर्फ टेक्निकल नहीं रहते; वे भरोसे, छवि और गुणवत्ता से भी जुड़ जाते हैं।हादसे का कारण पायलट फैक्टर है या जीफोर्स ब्लैकआउट, तकनीकी गड़बड़ी है या कोई दूसरी वजह, इसका जवाब जो केवल विस्तृत जांच रिपोर्ट ही दे सकती है। इस बीच जो जरूरी है, वह है खुला संवाद। वायुसेना, एचएएल और रक्षा मंत्रालय तीनों को मिलकर यह साफ संदेश देना होगा कि हादसे की निष्पक्ष जांच के बाद कमियों को दूर किया जाएगा, ताकि तेजस की क्षमता पर कोई सवाल नहीं उठा सके।

बेचुविगहा में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार किया

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। चिकसौरा थाना पुलिस ने बुधवार को अवैध आग्नेयास्त्र रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह गिरफ्तारी ग्राम बेचुविगहा में की गई। सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव का एक व्यक्ति अपने घर में गैरकानूनी हथियार रखकर किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। प्राप्त सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई हेतु थानाध्यक्ष ने पुलिस टीम के साथ त्वरित छापेमारी की। गांव पहुंचकर मिथलेश प्रसाद, पिता स्वर्गीय सागर प्रसाद, निवासी बेचुविगहा के घर की विधिवत घेराबंदी कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान घर के कमरे से दो देसी कट्टा तथा नौ जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बरामद हथियारों की विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई और आरोपी मिथलेश प्रसाद को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।घटना के संबंध में चिकसौरा थाना कांड संख्या 227/25, दिनांक 26.11.25 के तहत धारा 25(1-b)a/26 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया जारी है।गिरफ्तार आरोपी मिथलेश प्रसाद, पिता स्वर्गीय सागर प्रसाद, निवासी बेचुविगहा, थाना चिकसौरा, जिला नालंदा का है।

बरामदगी: देसी कट्टा : 02 तथा जिंदा कारतूस : 09.

पुलिस टीम में थानाध्यक्ष पु.अ.नि. गौरव सिंधु, पु.अ.नि. राहुल कुमार सिंह, परि.पु.अ.नि. अनुज कुमार, स.अ.नि. राजकुमार, पी.टी.सी. सीमांचल कुमार, तथा रिजर्व गार्ड के सौरभ सुमन, प्रवीण कुमार एवं सुरभि कुमारी शामिल थें।

क्यों बढ़ रहे हैं गुमशुदी के आंकड़े?

डॉ.रमेश ठाकुर

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से सभी के जुबान पर है। अनसुलझी पहेली जैसा बना हुआ है ये विषय। भारत में गायब लोगों के आँकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है जो अपने आप में अचंभित करता है। बीते सप्ताह आई 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट में भी बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट की माने तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर काबिज कर दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी, हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। दुख ये कि बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी विकसित देश की महकती व्यवस्था पर कालिख पोतने जैसा है।

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब बताए गए हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे है. उनका भी रिकवरी रेट बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग ना लगना अपने आप में चौकाता है जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बाग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा मंडराया है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में 8 हजार के करीब लोग गायब हुए जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके। सवाल उठता है कि उन्हें आसमान निगल गया या धरती खा गई?

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रूकने के नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है।

जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। जहां आंकड़े बढ़े बताए गए हैं, वहा के वासी कुछ ज्यादा ही डरे हुए हैं, उन्हें अपनी और अपने परिजनों की चिंता समाने लगी हैं। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं जो या तो पार्कों में खलने गए या ट्यूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीसदी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए, उनमें चौकाने वाली बात ये निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिली। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती ही रहती कि बड़े अस्पतालों में अप्रत्यक्ष रूप से किड़नी गिरोह सक्रिय है जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों और निर्बलों को टारगेट करते हैं। देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपेज भी हुआ था जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल और असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गुमशुदगी के आंकड़े वैसे तो देश भर से सालाना या महीनों के हिसाब से पेश होते ही हैं जिनमें एकाध या दर्जन भर लोगों के ही गायब होने की सूचनाएं होती हैं।

गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। 1 जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच 7 हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र सरकार भी चिंतित है। खुदा-न-खास्ता अगर ये गति समूचे देश में फैल गई तो कोहराम ही मच जाएगा। इसे किसी भी सूरत में रोकना होगा। व्यक्तियों के परिजन पुलिस थानों में चक्कर काटते हैं। मामले फाइलों में धूल फांकते रहते हैं। परिजन खुद से भी कोशिश करते हैं पर सफलता उन्हें भी नहीं मिल रहीं? गुमशुदगी मामलों में 'संयुक्त राज्य अमेरिका' सदैव अव्वल रहा था। दूसरे नंबर पर भारत है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रत्येक घंटे में 88 महिलाएं, बच्चे और पुरुष गायब हो रहे हैं, यानी रोजाना 2,130 और हर महीने 64,851। 2022 से लेकर 2024 के बीच इन आंकड़ों में बेहताशा उछाल आया। ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले महानगरों में गति ज्यादा है। लापता में सर्वाधिक संख्या बच्चों और महिलाओं की है। पुरुष भी हैं, लेकिन बच्चियों और महिलाओं से कम।

इथियोपिया में फटा ज्वालामुखी, दिल्ली तक पहुँची 'साइलेंट किलर काँच वाली' राख

रामस्वरूप रावतसरे

अफ्रीका के इथियोपिया में एक बड़ा ज्वालामुखी फटा है। इस ज्वालामुखी का नाम है हायली गुब्बी। यह ज्वालामुखी करीब 10 से 12 हजार साल बाद फटा है। विस्फोट के बाद राख का एक बड़ा बादल उठा। यह राख लगभग 4000 किलोमीटर दूर भारत तक आ गया है।

राख का यह बादल 130 किलोमीटर प्रति घंटे की बहुत तेज रफ्तार से आया। यह लाल सागर और अरब सागर को पार करते हुए आया। सोमवार (24 नवंबर 2025) रात करीब 11 बजे यह राख दिल्ली पहुंची । सबसे पहले यह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और जैसलमेर के ऊपर देखी गई। इसके बाद यह दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के बड़े हिस्सों में फैल गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह राख जमीन से 25,000 से 45,000 फीट की बहुत ऊँचाई पर है, इसलिए, अभी लोगों की सेहत को खास खतरा नहीं है लेकिन इस राख से हवाई उड़ानों पर असर पड़ा है। अकासा एयर और इंडिगो जैसी कई एयरलाइंस ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं या उनके रास्ते बदल दिए हैं। भारत सरकार के विमानन नियामक डीजीसीए ने सभी एयरलाइंस को चेतावनी दी है। उन्हें राख वाले खतरनाक इलाकों से दूर रहने को कहा गया है।

इथियोपिया में ज्वालामुखी कैसे फटा और राख इतनी दूर कैसे पहुँची? राख बादल ने सबसे पहले राजस्थान के जोधपुर और जैसलमेर के आसमान को ढका, फिर धीरे-धीरे दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की ओर बढ़ गया। क्योंकि यह राख जमीन से लगभग 25,000 से 45,000 फीट की ऊँचाई पर थी, इसलिए लोगों को यह सीधे दिखाई नहीं दी , लेकिन इसके असर ने हवा को भारी और जहरीला बना दिया है।

दिल्ली के आनंद विहार में एक्युआई 400 के ऊपर चला गया और यह 'सीवियर' श्रेणी में पहुँच गया। एम्स और सफदरजंग के आसपास भी घना जहरीला स्मॉग दिखाई दिया। हवा में चुभन, सांस लेने में भारीपन और आँखों में जलन महसूस होने लगी। यह स्थिति स्थानीय प्रदूषण और ज्वालामुखी राख के ऊपरी परत में मिलने से बनी। सुबह का सूरज सामान्य से ज्यादा लाल और चमकीला दिखा क्योंकि राख के सूक्ष्म कण रोशनी को अलग तरह से मोड़ते हैं। इस तरह का दृश्य बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद आम होता है।

जानकारों के अनुसार ज्वालामुखी राख विमान के लिए बेहद खतरनाक मानी जाती है। राख दिखती भले धूल जैसी हो लेकिन असल में यह बारीक कांच और जली चट्टानों के कण होते हैं। ये गर्म इंजन में जाते ही पिघलकर कांच जैसी परत बना देते हैं जिससे इंजन बंद हो सकता है। इसके अलावा राख विंडशील्ड को धुंधला कर देती है, सेंसर खराब कर सकती है और पंखों की सतह पर चिपककर विमान की लिफ्ट भी प्रभावित कर सकती है। 1982 में ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट ऐसे ही राख के कारण चारों इंजन फेल होने के बाद 25,000 फीट नीचे गिर गई थी, हालांकि बाद में पायलट इंजन को दोबारा स्टार्ट करने में कामयाब रहे थे।

यही कारण है कि अकासा एयर, इंडिगो और कई एयरलाइंस को उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कुछ उड़ानों को बीच में डायवर्ट किया गया। डीजीसीए ने तत्काल एडवाइजरी जारी करके एयरलाइंस को राख वाले क्षेत्रों से बचकर उड़ान भरने और पोस्ट-फ्लाइट इंजन जाँच अनिवार्य करने को कहा। एयर इंडिया और इंडिगो ने भी यात्रियों को सतर्क करते हुए कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जानकारों की माने तो अच्छी बात यह है कि राख अभी ऊपरी वायुमंडल में है। जमीन पर यह भारी मात्रा में गिरने की संभावना बहुत कम है। मौसम विभाग ने कहा है कि कुछ इलाकों में हल्की परत दिख सकती है लेकिन फिलहाल इसका सीधा खतरा मामूली है। हालाँकि, हवा की गुणवत्ता पहले से खराब होने के कारण दिल्ली-छब्ब् में स्मॉग और भारी हो गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को अस्थमा, सीओपीडी, दिल की बीमारी या एलर्जी की समस्या है, उन्हें ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए। आँखों में जलन, गले में खराश, सांस फूलना और सिरदर्द जैसे लक्षण बढ़ सकते हैं।

यह भी बताया जा रहा है कि यह पूरा राख का गुबार हवा के साथ पूर्व की ओर खिसकता रहेगा और धीरे-धीरे बंटकर खत्म हो जाएगा। अगर ज्वालामुखी में दूसरा बड़ा विस्फोट होता है या राख की ऊँचाई और बढ़ती है तो उड़ानों पर असर लंबे समय तक रह सकता है। मौसम विभाग और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ लगातार इसकी निगरानी कर रही हैं।

जानकारों का कहना है कि ज्वालामुखी राख सूर्य की रोशनी को रोकती है, इसलिए जिस क्षेत्र में यह पहुँचती है, वहाँ अस्थायी रूप से धुंध जैसा माहौल बन जाता है। बड़े विस्फोटों में तापमान तक गिर सकता है हालाँकि इस बार ऐसा असर नहीं दिखेगा क्योंकि राख की मात्रा बहुत बड़ी वैश्विक स्तर की नहीं है। राख में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड गैस बाद में सल्फेट एयरोसोल बनाती है, जो हवा की गुणवत्ता खराब कर सकते हैं। यूपी के तराई इलाके और नेपाल के ऊपर इन गैसों का असर थोड़ा बढ़ सकता है क्योंकि राख वाले बादल हिमालय से टकराकर दिशा बदलेंगे।

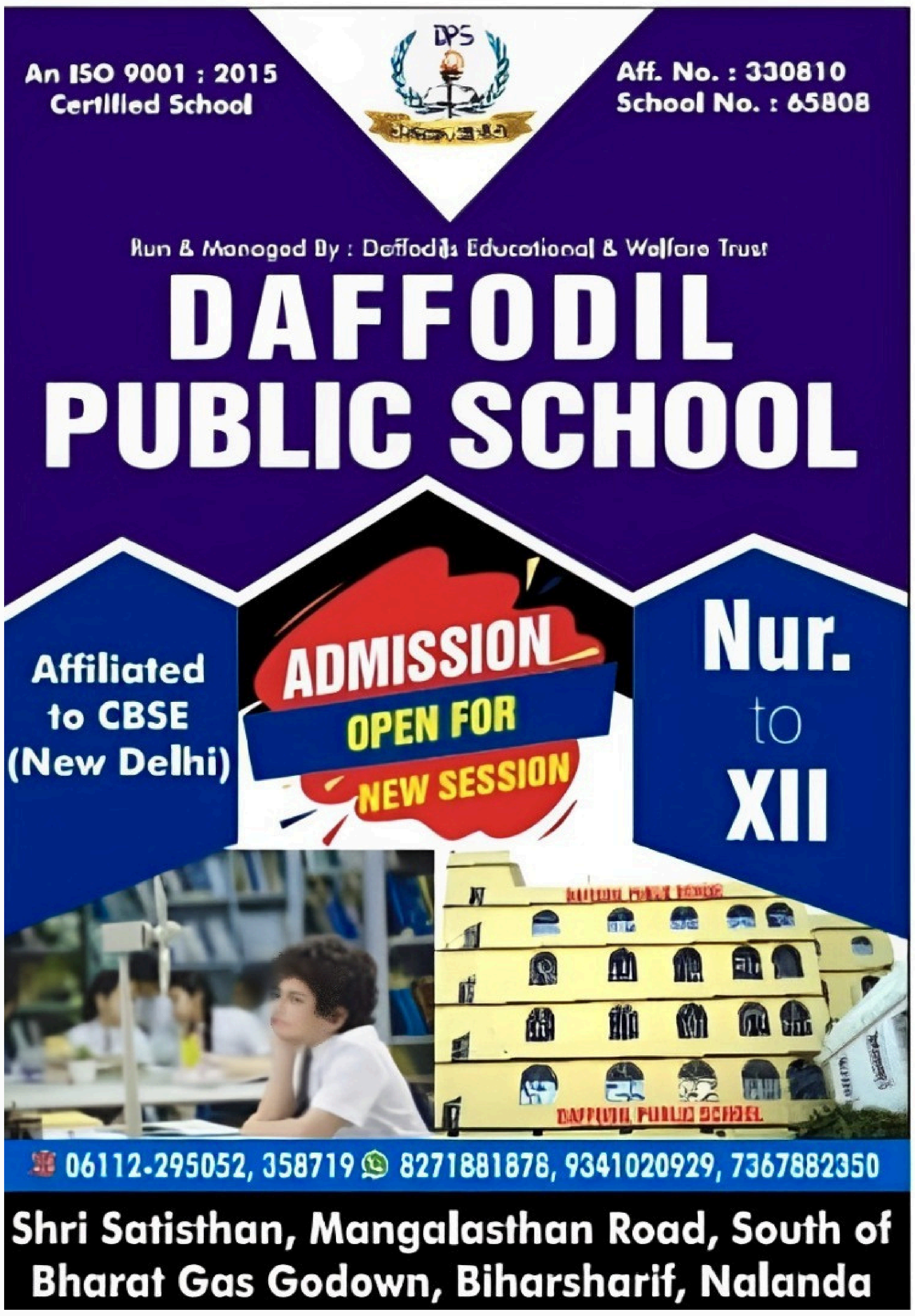

खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट लीग में नालंदा के खिलाड़ियों ने मचा दी धूम

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सोहसराय स्थित किसान कॉलेज में 26 नवंबर को खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट लीग का भव्य आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता खेल प्राधिकरण भारत सरकार, खेल मंत्रालय, इंडियन पेंचक सिलाट फेडरेशन, पेंचक सिलाट एसोसिएशन ऑफ बिहार एवं नालंदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। लीग में नालंदा सहित अन्य जिलों की 120 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. दिवांशु कुमार, प्रो. डॉ. सतेंद्र कुमार सिन्हा, पेंचक सिलाट एसोसिएशन नालंदा के अध्यक्ष डॉ. रविचंद कुमार, महासचिव रेन्सी राकेश राज, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश कुमार, उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार रंजन, संयुक्त सचिव दिव्या भारती, अभिषेक राज, स्वर्ण किरण प्रसाद, खेल कार्यालय केसुशांत कुमार, विपिन कुमार, सूरज कुमार, इनरवेल क्लब अध्यक्ष रश्मि रानी, प्रशांत गुप्ता, आर.के. किरण, शशि भूषण कुमार तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव संजय कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

जिला खेल पदाधिकारी शालिनी प्रकाश ने बताया कि नालंदा के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह लीग नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। प्राचार्य डॉ. दिवांशु कुमार ने कहा कि किसान कॉलेज खेल एवं शिक्षा के संतुलित विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. रविचंद कुमार एवं महासचिव रेन्सी राकेश राज ने इसे खिलाड़ियों के भविष्य के लिए बड़ा अवसर बताया। आयोजक सचिव रेन्सी राकेश राज के अनुसार 22 स्वर्ण पदक जीतकर डैफोडिल पब्लिक स्कूल ओवरऑल चैंपियन बना, जबकि 11 स्वर्ण के साथ उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरावां दूसरे स्थान पर रहा। रेफरी की भूमिका संध्या रानी, निशांत कुमार, रौशन कुमार, विवेक कुमार एवं ऋषिकेश कुमार ने निभाई। सफल आयोजन में शिवेंद्र कुमार, शुभम राज, सूरज कुमार, निर्भय, प्रांजल स्वराज एवं प्रियांशु वर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

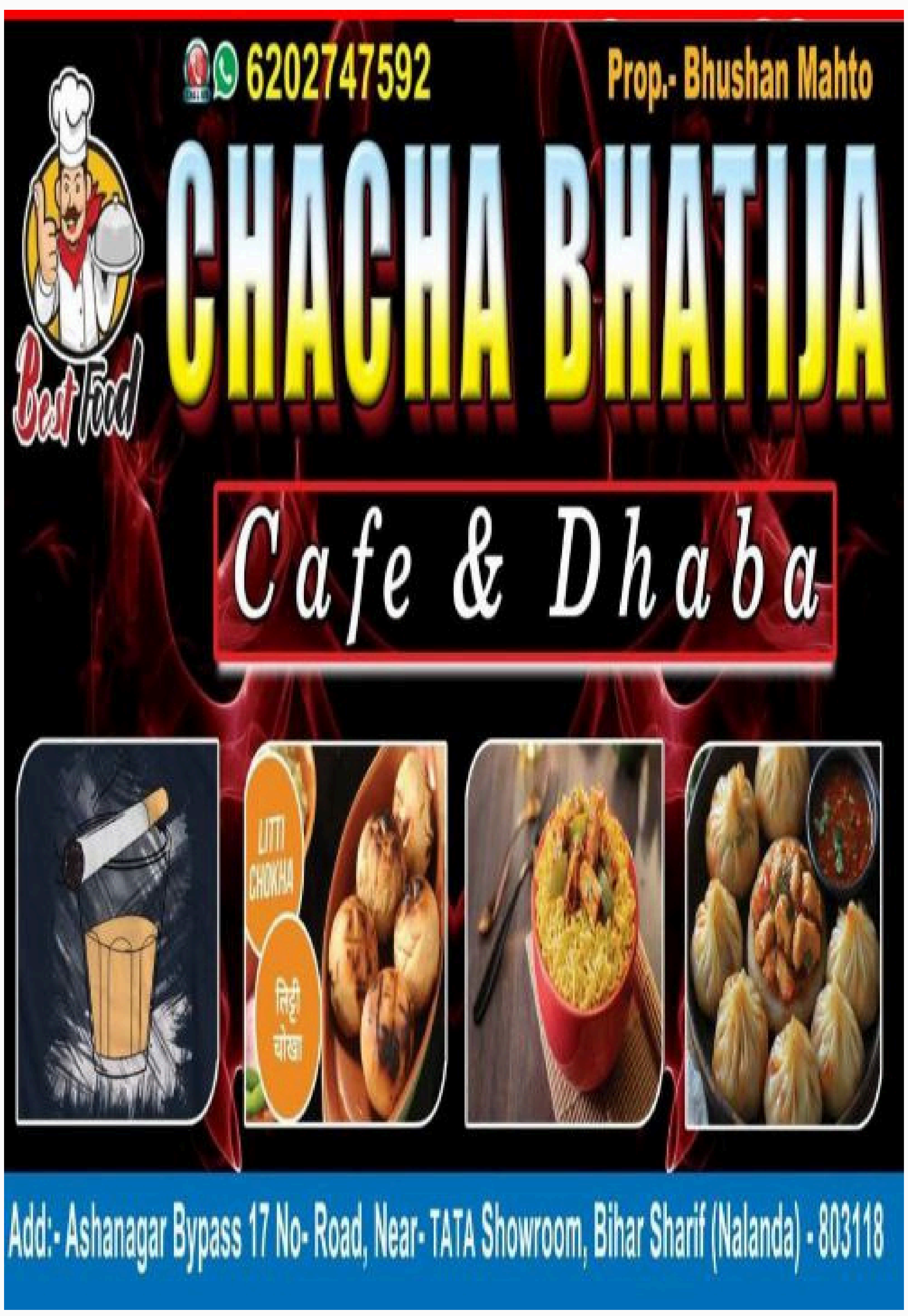

छरियारी बुजुर्ग हाईस्कूल में संविधान दिवस पर विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

थरथरी (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर +2 हाईस्कूल छरियारी बुजुर्ग में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन पीरामल फाउंडेशन की टीम—गांधी फेलो ईश्वर पाल और प्रोग्राम लीडर नीरू कुमारी—द्वारा किया गया। विद्यालय में आयोजित गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी समझ को मजबूत किया।कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से हुई। उसके बाद छात्रों द्वारा प्रस्तुत संविधान गीत ने पूरे परिसर में देशभक्ति और जागरूकता का वातावरण बना दिया। बच्चों में संविधान के महत्व को समझाने के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग में छात्रों ने शिक्षा, समानता, मूलअधिकारों और संविधान पर आधारित आकर्षक चित्र एवं संदेश तैयार किए।क्विज प्रतियोगिता के दौरान जब कुछ प्रश्न छात्रों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुए, तब ईश्वर पाल ने संबंधित विषयों को विस्तार से समझाया, जिससे बच्चों को संविधान की गहरी समझ प्राप्त हुई। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप पेन प्रदान किए गए, जिससे छात्रों में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर संदीप कुमार, सुरूचि कुमारी, अभय कुमार, मोहम्मद हुसैन आलम, सिंपल कुमारी, अभिषेक कुमार, रूबी कुमारी, रिया कुमारी, रंजीत कुमार और सिकंदर कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षाकर्मियों की सक्रिय उपस्थिति रही।विद्यालय प्रशासन ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को संविधान से जोड़ने और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

नालंदा विश्वविद्यालय में पद्म भूषण पं. साजन मिश्रा का मनमोहक गायन

राजगीर (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय में चल रही सांस्कृतिक श्रृंखला 'विरासत 2025' के तहत गुरुवार को विश्वविद्यालय के स्पिक मैके चैप्टर द्वारा पद्म भूषण पंडित साजन मिश्रा की शास्त्रीय संगीत प्रस्तुति आयोजित की गई। विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सुषमा स्वराज सभागार के सामने फ्रंट लॉन में हुए इस विशेष आयोजन में 20 से अधिक देशों के भारतीय व अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बनारस घराने की लगभग 300 वर्ष पुरानी परंपरा से जुड़े पं. मिश्रा ने अपने खयाल-गायन, भक्ति-रस और विशिष्ट बनारसी अंदाज़ से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। उनके विलंबित व द्रुत बंदिशों ने कार्यक्रम स्थल को वाराणसी के घाटों जैसी आध्यात्मिक अनुभूतिसे भर दिया। मंच पर उनके साथ तबले पर पं. मिथिलेश कुमार झा, हारमोनियम पर पं. धर्मनाथ मिश्र और वोकल सपोर्ट में उनके पुत्र पं. स्वरांश मिश्र मौजूद रहे।बनारस घराना अपनी भावपूर्ण शैली, तकनीकी दक्षता और आध्यात्मिक गहराई के लिए प्रसिद्ध रहा है, जिसे पं. साजन मिश्रा ने अत्यंत गरिमा और सहजता के साथ प्रस्तुत किया। उन्हें 1998 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 2007 में पद्म भूषण से सम्मानित किया जा चुका है। बड़े भाई पं. राजन मिश्रा के निधन के बाद वे इस समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि पं. मिश्रा का आगमन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊर्जा देता है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन युवाओं में भारतीय कला, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा के प्रति जागरूकता व प्रेरणा जगाते हैं।

कार्यक्रम ने नालंदा की प्राचीन सांस्कृतिक धारा को आधुनिक शिक्षण वातावरण से जोड़ते हुए एक यादगार आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया।

बरनौसा पंचायत में बाल विवाह रोकथाम को लेकर शपथ और जागरूकता कार्यक्रम"

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर प्रखंड के बरनौसा पंचायत भवन में गुरुवार को बाल विवाह रोकथाम को लेकर शपथ समारोह एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों की मुखिया, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, बुद्धिजीवी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएँ शामिल हुईं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके बाद बाल विवाह के दुष्परिणाम, कानूनी प्रावधान और इसके सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह एक हानिकारक प्रथा है, जो बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, मानसिक विकास और भविष्य की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से शपथ ली कि वे अपने परिवार और समुदाय में किसी भी परिस्थिति में बाल विवाह नहीं होने देंगे, ऐसी किसी घटना की जानकारी तुरंत पंचायत, प्रशासन और वन स्टॉप सेंटर के टोल फ्री नंबर 181 पर देंगे, तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षाऔर पोषण में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।मुखियाओं ने कहा कि समाज में बदलाव तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ कदम उठाए। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर विशेष निगरानी दल सक्रिय किए जाएंगे और स्कूल तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किशोरी परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे।

ग्रामीण महिलाओं ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि अब समय है कि बेटियों को समान अवसर और सुरक्षा मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस अभियान में प्रशासन और पंचायत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेंगी।कार्यक्रम का संचालन जिला मिशन समन्वयक राजीव कुमार, सी-3 प्रतिनिधि नेहा कुमारी, मुखिया रौशन कुमार, जीविका समूह की दीदियों और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से किया। अंत में प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए बताया गया कि आगामी दिनों में रैली, कार्यशाला और किशोरी समूह बैठकों के माध्यम से अभियान को और मजबूत किया जाएगा।

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

अनुश्रवण समिति बैठक में शिक्षा, पोषण और राशन वितरण पर कड़े निर्देश जारी

हिलसा(अपना नालंदा)।हिलसा अनुमंडल कार्यालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक एसडीओ अमित कुमार पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पूर्व शिकायतों की समीक्षा के साथ शिक्षा, पोषण और जन वितरण प्रणाली से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

समिति सदस्यों ने बताया कि ठंड के मौसम में कई स्कूलों में बच्चों को अंडा नहीं दिया जा रहा है और उसकी जगह मूंगफली व काबुली चना उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा अंडे की दर 6 रुपये निर्धारित है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 9 रुपये तक पहुंच गई है। इस पर एसडीओ ने निर्देश दिया कि यदि सप्ताह में एक बार अंडा उपलब्ध कराया जा सकता है तो व्यवस्था सुनिश्चित की जाए या कम दर पर आपूर्ति करने वाले दुकानदार से अंडा लिया जाए।

थरथरी प्रखंड के नारायणपुर पंचायत में तीन आंगनबाड़ी केंद्रों के बंद रहने की शिकायतसदस्य शशि कुमार ने की, जिस पर एसडीओ ने संबंधित अधिकारी को तत्काल जांच का आदेश दिया। वहीं कोरावा पंचायत के कोनिया पर गांव में स्कूल भवन नहीं होने की बात नवल यादव ने उठाई। उन्होंने कहा कि भवन के अभाव में बच्चे दूसरे गांव जाकर पढ़ने को मजबूर हैं। एसडीओ ने इस समस्या पर गंभीरता से कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

राशन वितरण में देरी की शिकायत भी बैठक में रखी गई। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि कई डीलरों ने गोदाम से अनाज का लॉट नहीं उठाया है। इस पर एसडीओ ने निर्देश दिया कि एमडीएम के लिए हर माह 15 से 20 तारीख के बीच राशि उपलब्ध कराई जाए और गोदाम सुबह 10 बजे तक अनिवार्य रूप से खुला रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले माह से समय पर वितरण नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नितेश रंजन, नवल यादव, भरत शर्मा, अर्जुन विश्वकर्मा, शशि कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सशक्तिकरण योजना तहत 20 दिव्यांगों को बैटरी चालित ट्राई वितरित

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना (संबल) के तहत 20 दिव्यांग लाभार्थियों के बीच बैटरी चालित तीन पहिया ट्राई-साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ अमर कुमार ने की। उन्होंने कहा कि यह योजना दिव्यांगजन के लिए अत्यंत लाभकारी है और इससे उनकी गतिशीलता व आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी। बीडीओ ने बताया कि जिन दिव्यांगजन को अभी तक योजना का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें शीघ्र चिन्हित किया जाएगा और आगामीकैंप में ट्राई-साइकिल समेत अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रह जाए।

दिव्यांगजन प्रखंड प्रसार पदाधिकारी ने बताया कि हिलसा अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों से चयनित लाभार्थियों को ट्राई-साइकिल प्रदान की गई। इनमें हिलसा प्रखंड के सात, इस्लामपुर प्रखंड के छह, नगरनौसा प्रखंड के दो और थरथरी प्रखंड के पांच दिव्यांगजन शामिल हैं। सभी लाभार्थियों ने ट्राई-साइकिल पाकर खुशी व्यक्त की।कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हिलसा के चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार बरनवाल, मोहम्मद सैदाव, विकास मित्र सहित कई कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लाभार्थियों को ट्राई-साइकिल के सही उपयोग और नियमित रख-रखाव के बारे में भी जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में बीडीओ ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार लगातार विभिन्न योजनाएं लागू कर रही है।

दहेज विवाद में बस्ती गांव की विवाहिता की पिटाई, मामला हरनौत थाना पहुंचा

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत थाना क्षेत्र के बस्ती गांव में दहेज विवाद को लेकर एक विवाहिता की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है, जिससे पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। जख्मी पीड़िता सोनिया सिंह, पति विवेक सिंह की पत्नी हैं। उन्होंने बताया कि दो वर्ष पूर्व उन्होंने प्रेम विवाह किया था, जिसके बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा लगातार 20 लाख रुपये दहेज की मांग की जा रही थी। पीड़िता के अनुसार, वह पिछले पांच महीने से मायके में रह रही थीं और लगभग 25 दिन पहले ही ससुराल लौटी थीं। लौटने के बाद से ही दहेज के साथ-साथ छोटी-छोटी बातों को लेकर उन पर अत्याचार बढ़ गया। बुधवार रातस्थिति तब बिगड़ गई जब उन्होंने विरोध करने की कोशिश की। आरोप है कि ससुर गोपाल सिंह, भैसुर राजू सिंह, विमल सिंह, देवर विक्की सिंह और गौतनी रेनू देवी ने मिलकर उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी।घटना के बाद पड़ोसियों की मदद से सोनिया को तत्काल कल्याण बीघा रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। इसके बाद उन्होंने हरनौत थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि घरेलू विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई है, जिसमें महिला घायल हुई है। पुलिस ने पीड़िता के पति विवेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पक्षों से लिखित आवेदन प्राप्त हो चुका है। मामला दर्ज कर पुलिस आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

शिक्षक नेता मो. तस्लीमुद्दीन को भावुक माहौल में दी गई अंतिम विदाई

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के पूर्व प्रदेश महासचिव मो. तस्लीमुद्दीन को गुरुवार शाम मिरदाद कब्रिस्तान में नम आंखों के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनका पार्थिव शरीर मिरदाद मोहल्ला स्थित आवास से निकाला गया, जिसके बाद फूलों से सजे जनाजे में सैकड़ों लोग शामिल हुए। जनाजा यात्रा कल्याणपुर चौक होते हुए मिरदाद कब्रिस्तान पहुंची।

पार्थिव शरीर को कुछ देर के लिए मस्जिद के बगल स्थित ईदगाह के बाहर अंतिम दर्शन हेतु रखा गया। इसके बाद हजरत मौलाना साहब द्वारा जनाजे की नमाज अदा की गई। ईदगाह से सड़क तक नमाजियों की लंबी कतार उनके प्रति सम्मान का प्रतीक रही।

जनाजे की नमाज के पश्चात जब उनका जनाजा सुपुर्द-ए-खाक के लिए आगे बढ़ा, तो युवा से लेकर बुजुर्ग तक अंतिम कंधा देने के लिए उमड़ पड़े। कब्र में उतारते समय उनके करीबी—भगना मो. आरिफ, मो. राजा सहित परिवार के सदस्य जन्नत की दुआ मांगते दिखाई दिए। भीड़ और दुआओं की गूंज से उनकी लोकप्रियता का अंदाज़ा साफ झलक रहा था।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष कुमार राकेश ने उन्हें समर्पित, सरल और संघर्षशील नेता बताया। उन्होंने कहा कि तस्लीमुद्दीन का जाना शिक्षक समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। शिक्षक क्लब के संयोजक दिलीप कुमार ने उनके शिक्षा-क्षेत्र में योगदान और शिक्षक हितों की लड़ाई को अविस्मरणीय बताया। प्रवक्ता राकेश बिहारी शर्मा ने कहा कि उनकी सेवाभावना और विचार लंबे समय तक याद किए जाएंगे।

अंतिम यात्रा में "मो. तस्लीमुद्दीन अमर रहें" के नारों ने वातावरण को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में रामसागर राम, सुरेंद्र कुमार, अली राजा, मो. निशांत आलम, धर्मवीर प्रसाद सहित अनेक लोग श्रद्धांजलि देने उपस्थित रहे।

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा
शुक्रवार 10
28.11.2025

सोराडीह में नैनो डीएपी बीज शोधन अभियान पर किसान गोष्ठी आयोजित

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के सोराडीह पंचायत में नैनो डीएपी तरल बीज शोधन महाअभियान के तहत गुरुवार को कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस के उपयोग, फायदे तथा सही प्रयोग विधि की जानकारी देकर पारंपरिक दानेदार डीएपी पर निर्भरता कम करना था।

इफको के क्षेत्रीय अधिकारी रितेश कुमार ने किसानों को बताया कि नैनो डीएपी फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति का एक किफायती और प्रभावी विकल्प है। उन्होंने बताया कि बीज शोधन के लिए नैनो डीएपी का उपयोग 5 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से किया जाना चाहिए। जड़ शोधन हेतु 5 मिलीलीटर नैनो डीएपी को एक लीटर पानी में घोलकर उपयोग करने की सलाह दी गई। शोधन प्रक्रिया के बाद बीज को लगभग आधा घंटा सुखाकर बुवाई करना आवश्यक है।उन्होंने आगे कहा कि फसल में पत्तियां आने के बाद नैनो यूरिया प्लस या नैनो डीएपी का छिड़काव 4 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर किया जाना चाहिए। धान की फसल में जिंक की कमी दिखने पर नैनो यूरिया के साथ 1-2 मिलीलीटर नैनो जिंक मिलाकर छिड़काव करना लाभकारी रहेगा।रितेश कुमार ने बताया कि नैनो डीएपी की 500 मिलीलीटर की एक बोतल से लगभग 100 किलोग्राम बीज का शोधन संभव है, जो दानेदार डीएपी की तुलना में काफी किफायती है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रगतिशील किसानों ने नैनो उर्वरकों के सकारात्मक परिणाम साझा किए। मौके पर सोराडीह पैक्स अध्यक्ष निवास कुमार सहित करीब 50 किसान मौजूद रहे।

बसपा को बड़ा झटका, बिहार प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने दिया इस्तीफा

पटना (अपना नालंदा)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के बिहार प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके अचानक लिए गए इस निर्णय से बिहार की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और बसपा संगठन में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। अनिल कुमार ने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष मायावती को भेजा है, जिसमें उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा कि वर्तमान परिस्थितियों में वे पार्टी के कार्यों को समय नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए वे पद और पार्टी की सदस्यता दोनों से हट रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले भरोसे, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए बसपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह इस्तीफा बसपा के लिए चुनौतीपूर्ण समय में आया है। विधानसभा चुनाव में पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद संगठन को मजबूत करने की जरूरत थी, ऐसे

में प्रदेश प्रभारी जैसे महत्वपूर्ण पद का खाली होना पार्टी की रणनीति और आगामी दिशा पर असर डाल सकता है।पार्टी की ओर से अब तक इस इस्तीफे पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक बसपा नेतृत्व जल्द ही बिहार में नए प्रदेश प्रभारी की घोषणा कर सकता है। अनिल कुमार का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है जब बिहार की राजनीति नए समीकरणों और गठजोड़ों की ओर बढ़ रही है, जिससे बसपा के लिए यह बदलाव और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

आठ वर्षीय बच्ची से छेड़खानी के आरोप में 62 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार, जेल भेजा गया

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत थाना पुलिस ने आठ वर्षीय बच्ची से छेड़खानी के गंभीर मामले में एक बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि आरोपी 62 वर्षीय उपेंद्र सिंह हरनौत बाजार क्षेत्र में किराये के मकान में रहता था।पुलिस के अनुसार, बच्ची के परिजनों ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि उपेंद्र सिंह ने बच्ची के साथ छेड़खानी की। मामले की गंभीरता को देखते , हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की पूरी जांच की जा रही है और पीड़ित परिवार को आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान की जा रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि बच्चों से जुड़े अपराधों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

सड़क अनियमितता उजागर करने पर सिरसी निवासी को जान से मारने की धमकी

हरनौत (अपना नालंदा)। सरकार बदलने के बाद सुशासन के दावों के बीच जमीनी हकीकत इसके विपरीत दिखाई दे रही है। कल्याण बीघा थाना क्षेत्र के सिरसी गांव में सड़क निर्माण में अनियमितता उजागर करने वाले ग्रामीण बुद्ध नागेंद्र को बदमाशों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है।बुद्ध नागेंद्र ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने सिरसी गांव में बन रही सड़क निर्माण कार्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया था। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा था कि निर्माण कार्य तय मानकों के अनुसार नहीं हो रहा था और उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता संदिग्ध थी। वीडियो वायरल होते ही जिला प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। जांच टीम ने स्थल निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी है।इसी बीच बुद्ध नागेंद्र के अनुसार जब वे खेत में काम कर रहे थे, तभी अपाचे बाइक पर सवार 3-4 युवक पहुंचे और धमकाते हुए कहा—"तू बहुत तेज बनता है, जिला में काम रुकवा देता है... उठा लेंगे, देख लेंगे।" आरोप है कि आरोपित लगातार उन्हें जान से मारने की धमकी देते रहे, जिससे वे भयभीत हो गए।पीड़ित ने थाना में लिखित आवेदन देकर सुरक्षा उपलब्ध कराने और आरोपितों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि एक जागरूक नागरिक होने के नाते उन्होंने भ्रष्टाचार और अनियमितता के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन अब वे खुद निशाने पर आ गए हैं।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि शिकायतकर्ता को सुरक्षा नहीं दी गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो लोग सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने में हिचकने लगेंगे। प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पूर्व विधायक यदुनंदन प्रसाद सिंह की 25वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

राजगीर (अपना नालंदा)। राजगीर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय यदुनंदन प्रसाद सिंह की 25वीं पुण्यतिथि गुरुवार को श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। रजौली संगत परिसर में उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर उनके सुपुत्र सुनील कुमार ने उनके योगदान को स्मरण करते हुए कुंड क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया।बताते चलें कि स्वर्गीय यदुनंदन प्रसाद सिंह वर्ष 1967 में राजगीर विधानसभा (तत्कालीन 173 नंबर सीट) से जनसंघ के टिकट पर विजयी हुए थे। उनकी यह जीत उस दौर में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना थी, जिसने जनसंघ के बढ़ते जनाधार और प्रभाव को स्पष्ट किया था। उन्होंने मजबूत राजनीतिक व्यक्तित्व के साथ राजगीर क्षेत्र के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निकार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राजगीर रेलवे स्टेशन के पूर्वभाई। पुण्यतिथि कार्यक्रम में कई सामाजिक प्रबंधक मंतोष कुमार मिश्रा, कृष्णा हॉस्पिटल एंड रिसर्च (दांत एवं आंख अस्पताल) के

प्रबंधक एवं समाजसेवी रमेश कुमार पान, नगर परिषद राजगीर की पूर्व मुख्य पार्षद प्रत्याशी अनिता कुमारी गुप्ता, न्यू आर्यन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मनोहर कुमार चौधरी, चंद्रजीत कुमार, मुकेश पासवान, सुधीर उपाध्याय, धर्मेंद्र कुमार पासवान, शंकर साव, राजू साव, नंदकिशोर प्रसाद, राधो देवी, चिंता देवी समेत कई लोगों ने स्वर्गीय सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कैला पंचायत में 2026-27 वार्षिक कार्य योजना हेतु ग्राम सभा आयोजित

नगरनौसा (अपना नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड के कैला पंचायत में गुरुवार को पंचायत सरकार भवन कैला में वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्य योजना सबकी योजना सबका विकास के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया शंभू कुमार ने की।ग्राम सभा में पंचायत स्तर पर आगामी वर्ष के विकास कार्यों को प्राथमिकता देने, योजनाओं के चयन, बजट प्रस्ताव, आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुखिया शंभू कुमार ने कहा कि पंचायत के विकास कार्यों में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि वास्तविक जरूरतों के अनुरूप योजनाओं का चयन हो सके।इस अवसर पर पंचायत के उप-मुखिया जितेंद्र प्रसाद, ग्राम सेवक कृष्णा रजक, सरपंच मंटू कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक पवन कुमार, विकास मित्र ।रेणु कुमारी, वार्ड सदस्य संगीत देवी

, राहुलकुमार और पंकज कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बैठक में ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क मरम्मत, नाली निर्माण, स्वच्छता अभियान और आवास योजनाओं से संबंधित मुद्दे उठाए। संबंधित अधिकारियों ने सभी समस्याओं को नोट किया और प्राथमिकता के आधार पर कार्य योजना में शामिल करने का आश्वासन दिया।

ग्राम सभा के अंत में मुखिया ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही ही पंचायत के विकास की नींव है, और इसी भावना के साथ वर्ष 2026-27 के लिए कार्य योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं की निगरानी में सहयोग करने की अपील की।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

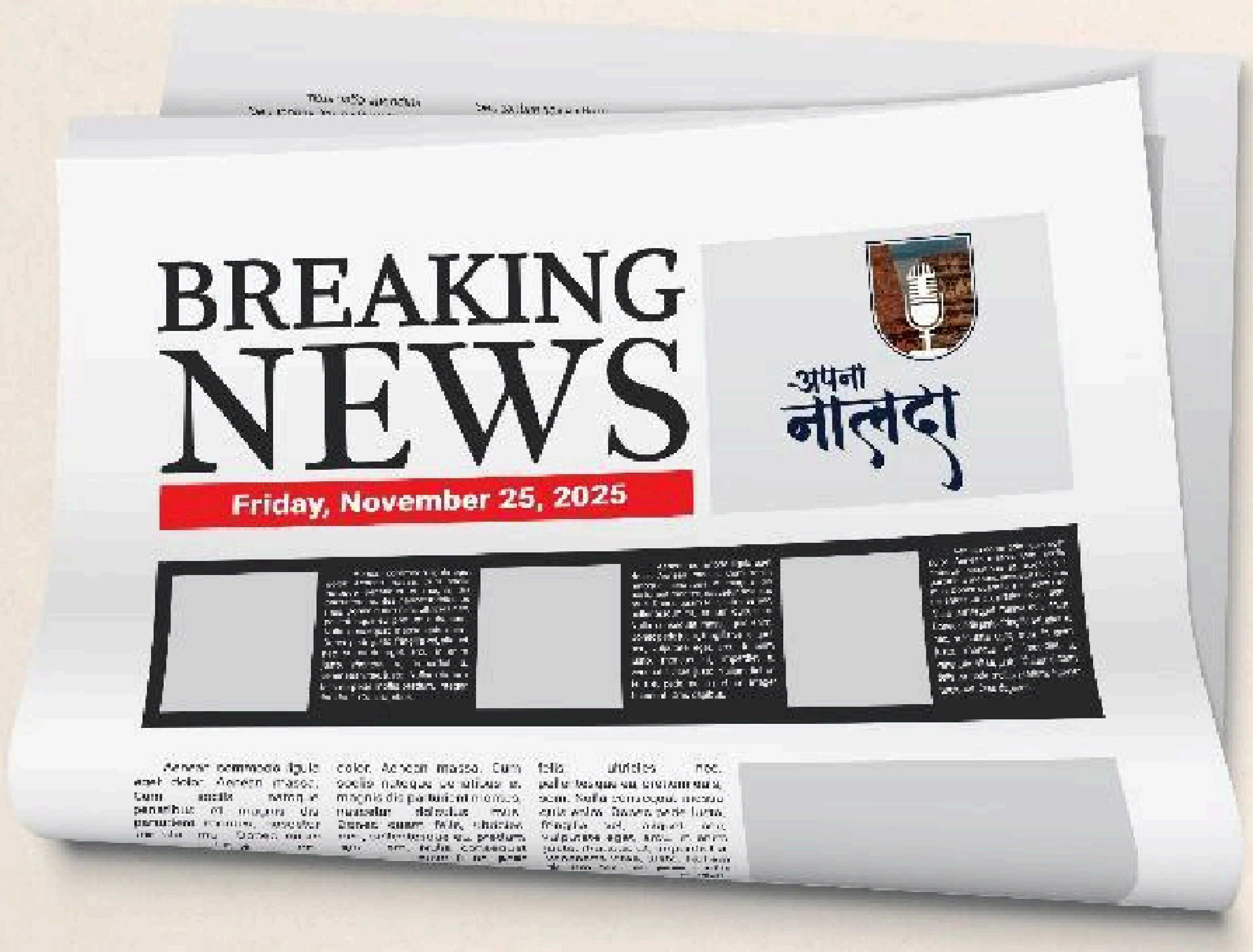

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।